SHRI KRISHAN MAHAVIDHYALAYA

GOVINDGARH (JAIPUR)

VILLAGE SURVEY REPORT KHEJROLI (JAIPUR)

सत्र – 2022–23

प्रतिवेदन :– भौगोलिक सर्वेक्षण

सर्वेक्षण स्थान का नामः– ग्राम खेजरोली तहसील चौमूं जिला जयपुर (राज)

कक्षा :– एम.ए./एम.एस.सी पूर्वाद्ध (भूगोल)

सर्वेक्षणकर्ता

(ग्रुप चतुर्थ)

निर्देशन

श्री हरनन्द यादव

(व्याख्याता भूगोल विभाग)

श्री कृष्ण महाविद्यालय से सर्वेक्षण के लिए प्रस्थान करते हुए सर्वेक्षक दल का दृश्य

SHRI KRISHAN MAHAVIDHYALAYA GOVINDGARH (JAIPUR)

M.A. PRE. GEOGARPHY STUDENTS GROUP (FOURTH)

Village Survey Report 2022-23

Sr. No.	Student Name	Father's Name	Remark
1	RAMESH YADAV	TEJPAL YADAV	
2	ROSHAN YADAV	GANESH YADAV	
3	SEEMA SHARMA	ASHOK KUMAR SHARMA	
4	SHALU CHOUHAN	HAJARI LAL CHOUHAN	
5	SUNIL KUMAWAT	NANURAM KUMAWAT	
6	SUSHIL KUMAR BHURADYA	SHYAM LAL BHURADYA	
7	SUSHILA SAINI	GIGARAM SAINI	

24/12/23

भौगोलिक सर्वेक्षण की विषय सूची

क्र.स.

परिचय

1. ग्राम की भौतिक स्थिति, नामकरण एवं अवस्थिति

2. उच्चावच एवं अपवाह तंत्र

3. जलवायु एवं मृदा

4. प्राकृतिक वनस्पति

5. कृषि एवं सिंचाई सुविधा

6. पशुपालन

7. व्यवसाय

8. परिवहन के साधन

9. शिक्षा

10 चिकित्सा सुविधा

11. जनसंख्या

12. धर्म, रीति-रिवाज, खान-पान, एवं संस्कृति

13. ग्रामीण समस्याएँ एवं सुझाव

भारत में राजस्थान की स्थिति

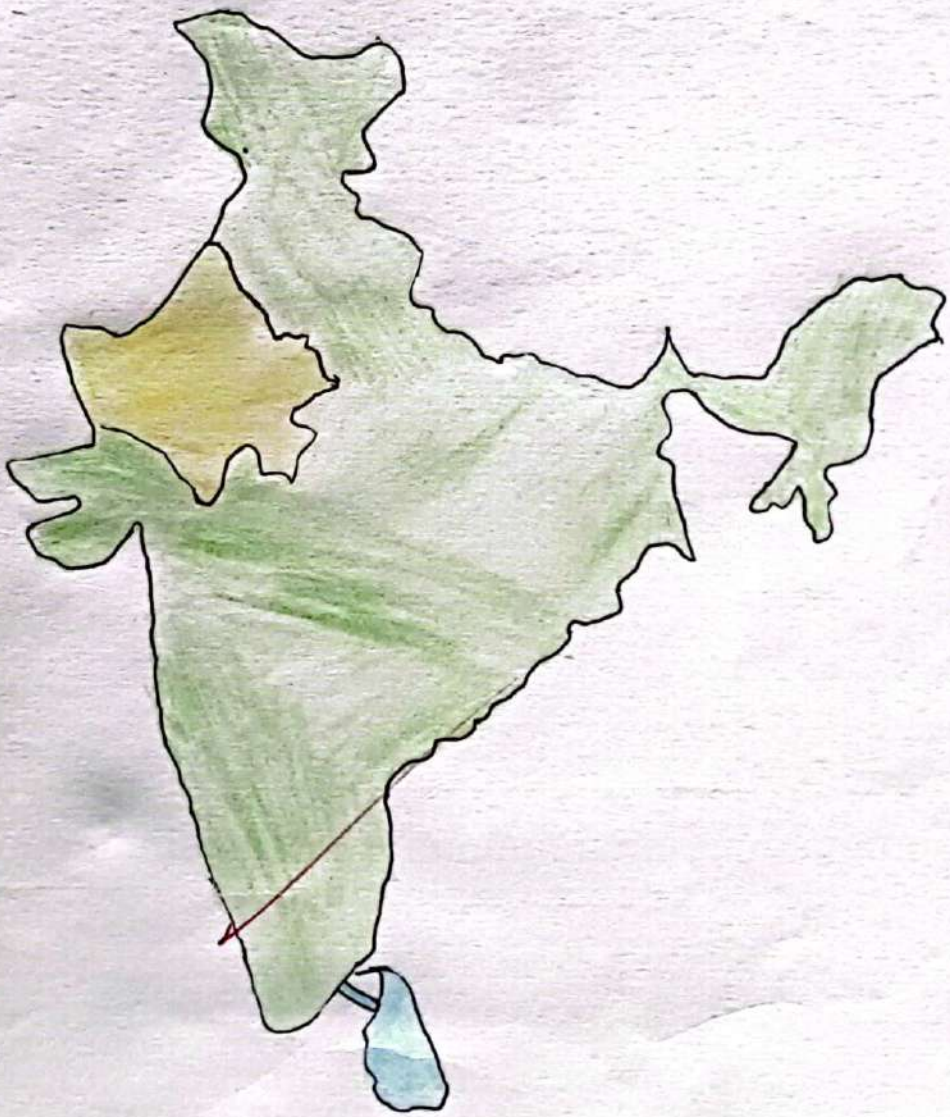

राजस्थान मे जयपुर जिले की स्थिति

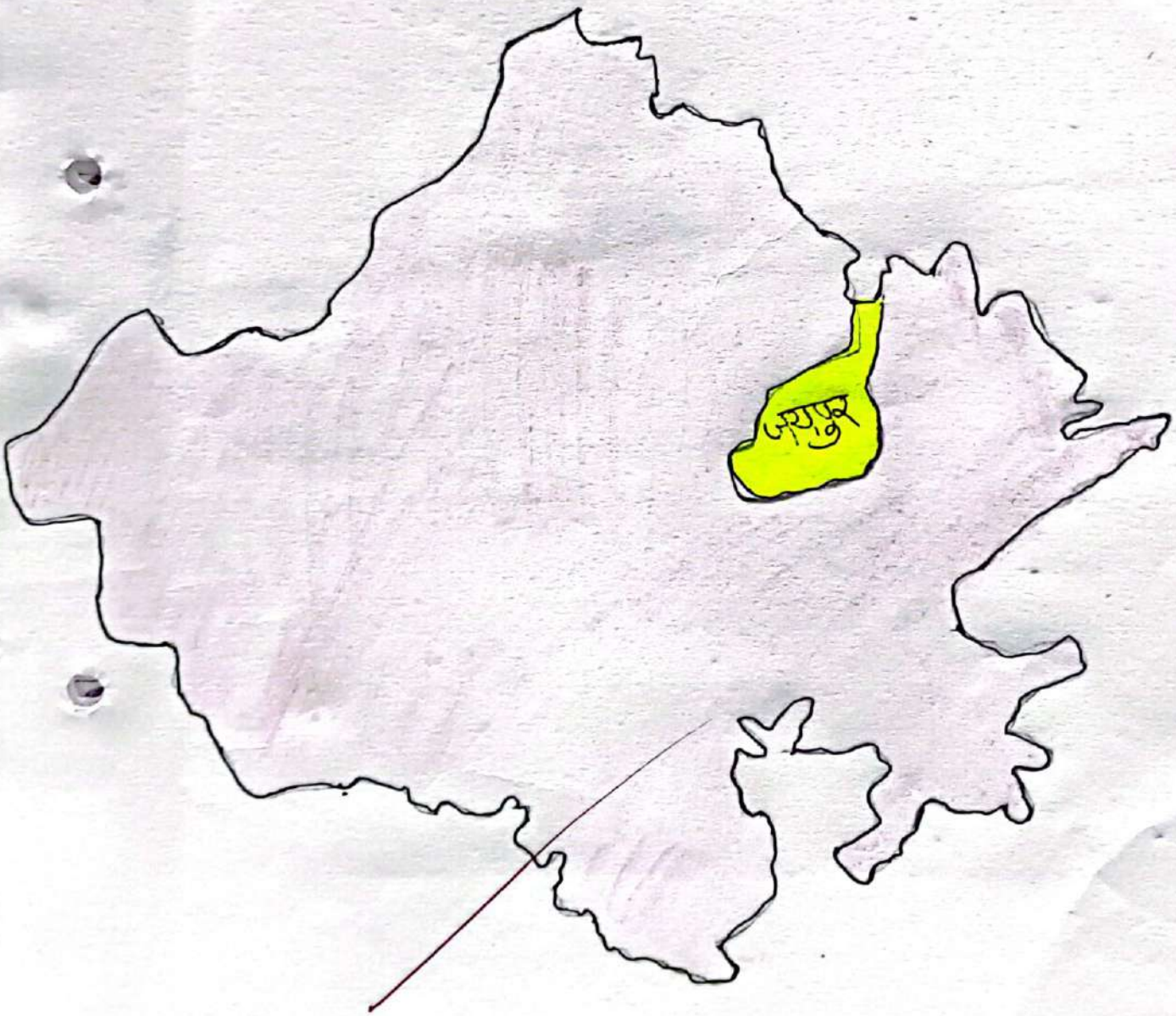

जयपुर जिले के मानचित्र में खेजरोली ग्राम की स्थिति

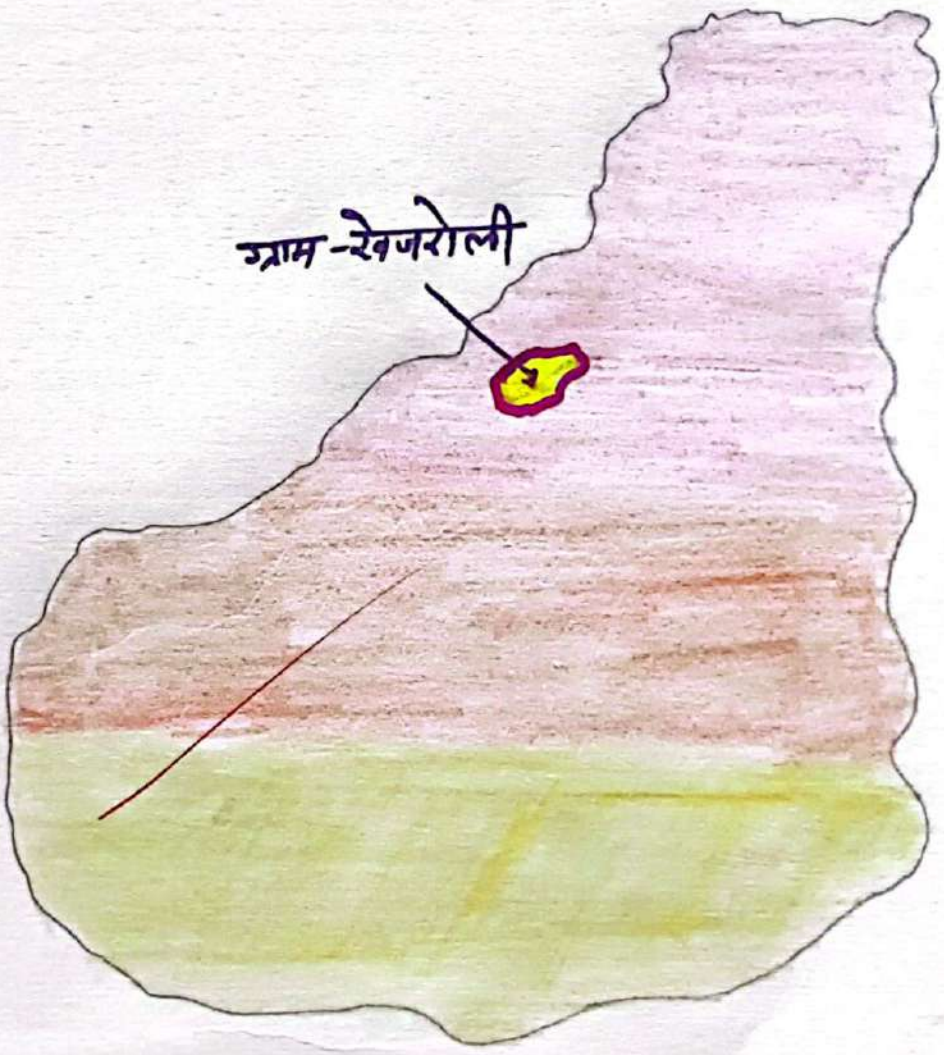

खेजरोली ग्राम का नजरी नक्शा (मानचित्र)

Date
Page

ग्राम की भौतिक स्थिति, नामकरण व अवस्थिति :-

ग्राम खेजरोली जयपुर जिले में चौमू तहसील के उत्तर में राज्य राजमार्ग संख्या 37C पर स्थित है।

यह गाँव भौतिक दृष्टि से 2 जिलों की सीमा पर स्थित है। इस गाँव के उत्तर में सीकर जिले के श्रीमाधोपुर तहसील की ग्राम पंचायत फुटाला की सीमा लगती है।

जबकि इस गाँव के पूर्व में बिलान्दरपुर, नांगलकोजू की सीमा लगती है। जबकि इसके प. मे सीमारला जागीर व सींगोद खुर्द की सीमा लगती है।

इसके द. में निवाणा गाँव की सीमा लगती है।

इस गाँव का नामकरण वहाँ बताये गये बडे बुजुर्गो व शिक्षित लोगो के अनुसार इस गाँव में खेजड़ी के वृक्षों की अधिकता होने के कारण इसका नाम खेजरोली रखा गया।

यह गाँव अंक्षाशो व देशांतरों की दृष्टि से 27°.33'N तथा 75°69'E मे स्थित है।

उच्चावच व अपवाहतंत्र :-

गाँव में उच्चावच की दृष्टि से लगभग समानता पाई जाती है। गाँव का धरातल लगभग मैदानी रूप मे पाया जाता है। लेकिन फिर भी कुछ भाग ऐसे हैं जहाँ कि भूमि थोड़ी उबड़-खाबड़ है।

खेजरोली ग्राम के पश्चिमी भागों में थोड़े टीले, उबड़-खाबड़ भूमि तथा रेतीली मृदा पाई जाती है।

~~अर्थात~~

खेजरोली गाँव का उ.प. भाग थोड़ी ऊँचाई पर स्थित हैं। जबकि द. पूर्वी भाग की ऊँचाई कम पाई जाती हैं। अर्थात गाँव का ढ़ाल (ढ़लान) उ.प. से द. पूर्व की ओर है

गाँव में कोई बड़ी नदी नहीं है, लेकिन फिर भी आस-पास के समीपवर्ती गाँवो की सीमा पर प्राचीन छोटी नदियों की पेटे पाई जाती है। जिसमें ग्राम कोलवा की नदी, सिंगोद की नदी, निवाणा की नदी आदि प्रवाहित होती थी।

Date ____
Page ____

जलवायु =>

यह गाँव खेजरोली राजस्थान के जयपुर जिले में स्थित एक मानसूनी जलवायु वाला प्रदेश है, यहाँ ग्रीष्म ऋतु में अत्यधिक गर्मी और शीतऋतु में अत्यधिक ठण्ड पड़ती है।

अधिकतम तापमान जून माह में 45°C और जनवरी माह में न्यूनतम 5°-6°C तक होता है। तथा सामान्य तापमान 33°-35°C तक रहता है। रात का तापमान 19°C तक होता है।

यहाँ की वार्षिक औसत वर्षा 50-55 से.मी होती है। तथा ग्रीष्मकाल में औसत वर्षा अधिक तथा शीतकाल में कम होती है।

मृदा =>

पृथ्वी के ऊपरी सतह पर मोटी, मध्यम और बारीक कार्बनिक तथा अकार्बनिक मिश्रित कणों को मृदा या मिट्टी कहते है। यहाँ पर कुछ क्षेत्रो पर काली मिट्टी व कुछ क्षेत्रों पर लाल व कहीं-2 पर रेतीली मिट्टी भी पाई जाती है।
यहाँ की मिट्टी अत्यधिक उपजाऊ है जहाँ पर खेती का कार्य किया जाता है।

Date
Page

प्राकृतिक वनस्पति =>

गाँव के पश्चिमी भाग में पहाड़ो पर संरक्षित वन है जिन पर बड़, पीपल, धोकड़ा, शीशम, केर, इमली, धोंक, नीम, खिजंडी एवं कंटीली झाड़ियाँ है। वर्षा काल में घास विस्तृत हो जाती है।

गाँव के उत्तरी भाग पर छोटे-2 रेतीले टीलों पर कंटीली झाँडिया फैली है। वर्षा काल मे छोटी घास देखने को मिलती है, जिनमें से भी अधिकांश खेजड़ी, नीम, और बबूल के वृक्ष है।

प्राकृतिक वनस्पतियों से हमे लकड़ी प्राप्त होती है तथा इससे हमें आक्सीजन प्राप्त होती है।
प्राकृतिक वनस्पतियों से फल, फूल, बेर, गोंद तथा जड़ीबूटियाँ प्राप्त होती है।

नैसर्गिक वनस्पती

वन्य जीवो का दृश्य

Date
Page

कृषि एवं सिंचाई सुविधा :-

ग्राम खेजरोली में फसलों का उत्पादन ऋतुओं के अनुसार किया जाता है। अर्थात् यहाँ एक वर्ष में सिंचाई सुविधा वाले क्षेत्रों में दो-तीन फसलें उत्पादित कि जाती हैं।

परन्तु जिन भागो में सिंचाई सुविधा नहीं है। उन भागो में वर्ष मे एक ही फसल (मानसून फसल) उत्पादित की जातीहै

यहाँ तीन प्रकार की कृषि की जाती है जो निम्न है -

खरीफ :- इन फसलो में बाजरा, मक्का, मुंगफली, ज्वार, ग्वार व तिलहन आदि। यह फसलें जून-जुलाई मे बोई जाती है तथा अक्टूबर मे काट ली जाती है।

रबी की फसल मे मे गेहूँ, जौ, चना, सरसों आदि बोई जाती है। मार्च-अप्रैल में इसकी कटाई होती है।

जायद की फसल :- इसमे तरबूज, खरबूज ककड़ी तथा विभिन्न प्रकार की सब्जीयाँ बोई जाती है।

सिंचाई की सुविधाएँ :-

ग्राम खेजरोली

में सिंचाई सुविधाए कुछ क्षेत्रों मे निम्न स्तर पर है अर्थात यहाँ का भौमजल निचा है तो यहाँ कृषि कार्य कम होता है। तथा कुछ क्षेत्रों में उच्च स्तर पर है वहाँ कृषि कार्य की अधिकता होती है। तथा जहाँ का भौमजल ऊपर है वहाँ क्यारी व फव्वारा सिंचाई की जाती है और जहाँ पर भौम जल का स्तर कम है, वहाँ पर बूँद - २ सिंचाई प्रमुख है।

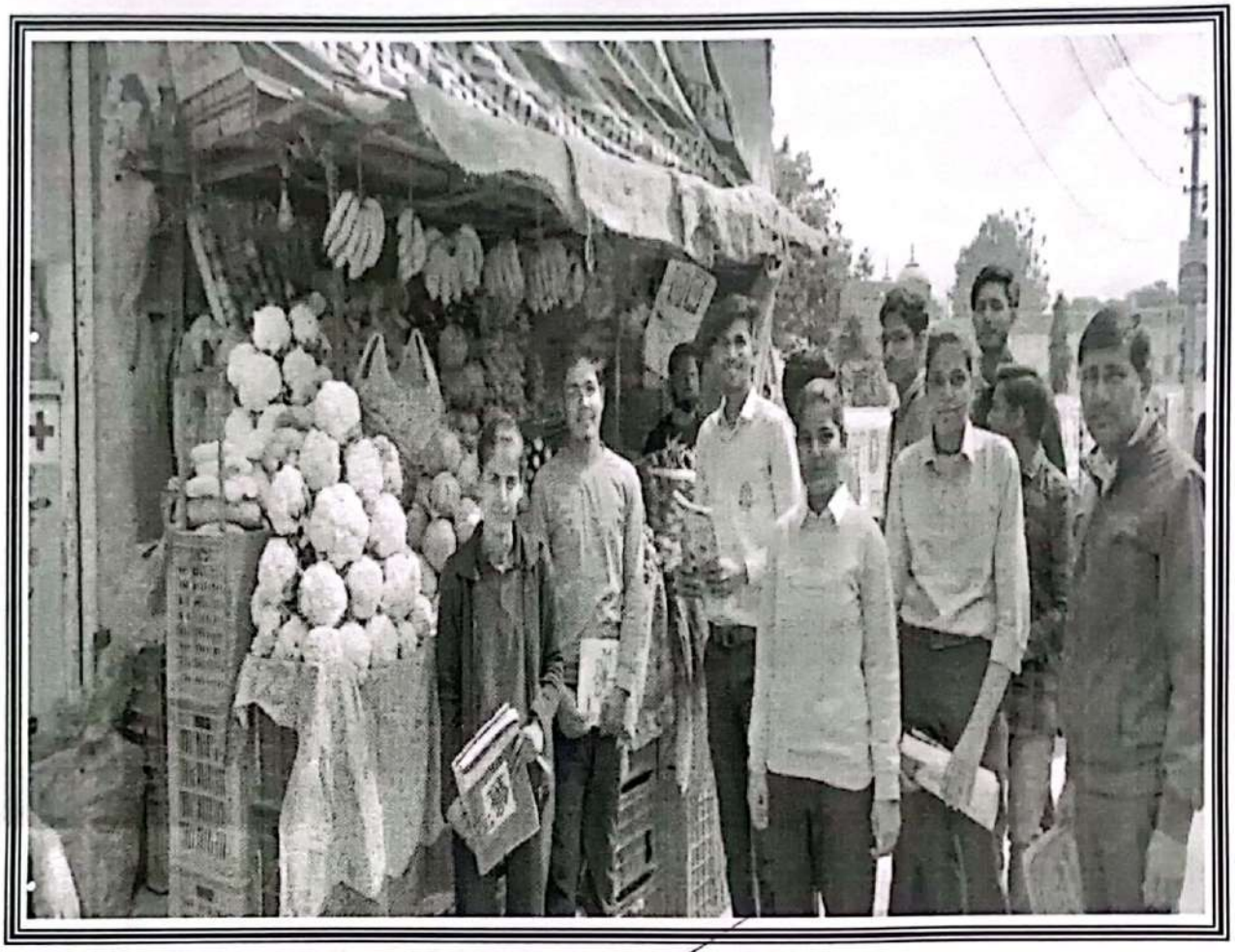

छात्र/छात्राओं द्वारा फल-सब्जीयों की दुकान से व्यवसायीक जानकारी प्राप्त करते हुए

ग्राम में खाबी का दृश्य

Date ____
Page ____

पशुपालन :=>

कृषि एवं पशुपालन एक निश्चित व्यवसाय के रूप मे प्रचलित है आधिकांश किसान खेती के साथ-2 पशु पालन भी करते है तथा पशुपालन से ये अपना व्यवसाय भी चलाते है। इनमे प्रमुख पशु - गाय, भैंस, बकरियाँ, भेड़ आदि है।

तथा इसके अलावा ऊँट, घोडे और मुर्गी पालन भी किया जाता है। गाँव के पशुओं की संख्या निम्न हैं।

पशु	संख्या
गाय	305
भैंस	401
बकरियाँ	500
ऊँट	20
घोड़े	41
मुर्गी	200
कुल	1.467

पशुओं से प्राप्त उत्पादन में दूध, घी, ऊन, अण्डे, मांस व चमड़ा आदि प्रमुख ~~ख~~ हैं।

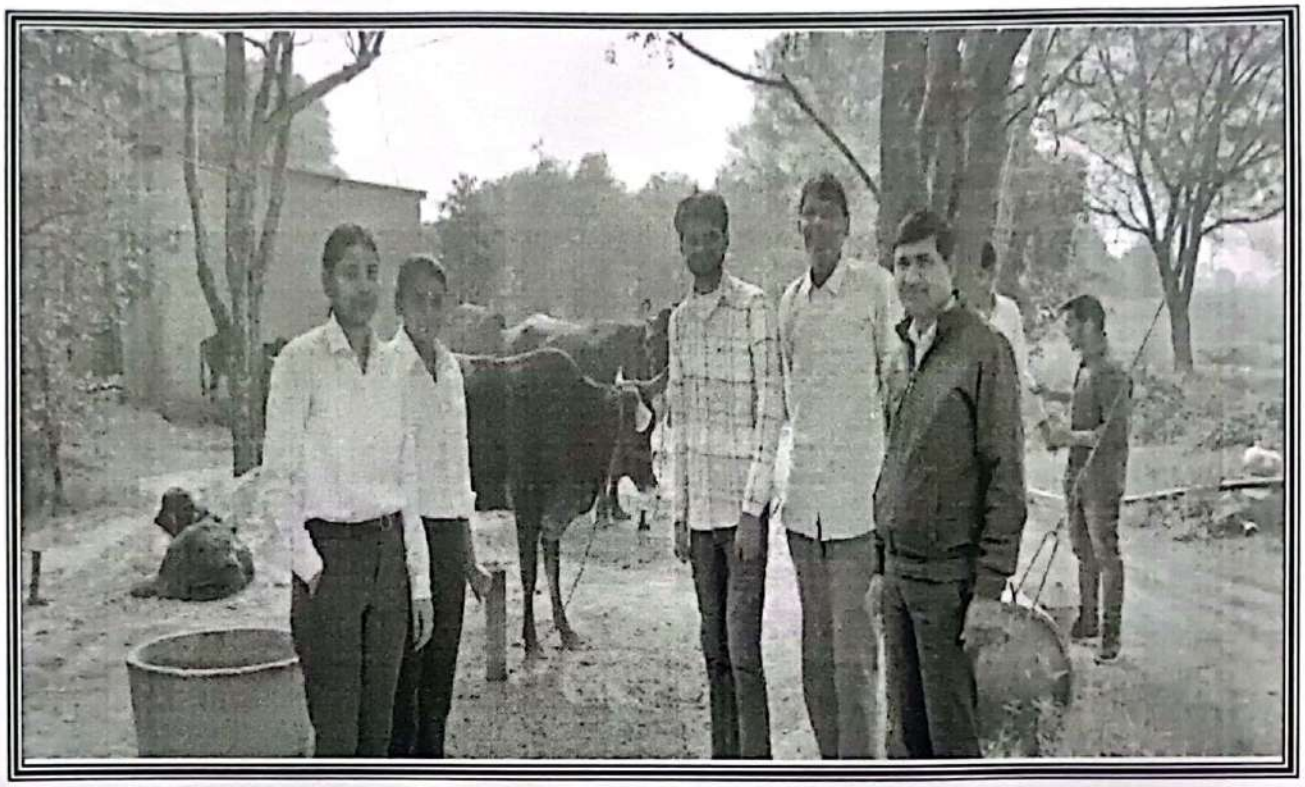

विद्यार्थियों द्वारा पशुओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए

पशुपालन

Date
Page

व्यवसाय :=>

यहाँ पर कुटीर, लघु व वृहत पैमाने पर व्यवसाय किया जाता है, यहाँ के अधिकांश लोग प्रथम व्यवसाय मे लकड़ी काटना, बर्तन बनाना कृषि करना, पशुपालन, मछली पालन व द्वीतीय व्यवसाय में क्रमानुसार लकड़ी से फर्नीचर बनाना, दुध से मिठाई बनाना व शिक्षा, परिवहन, व्यापार आदि हैं।

तथा कुछ लोग चतुर्थ व्यवसाय भी करते हैं। अधिकांश लोग प्रथम व्यवसाय के अन्तर्गत ही आते हैं।

व्यवसाय

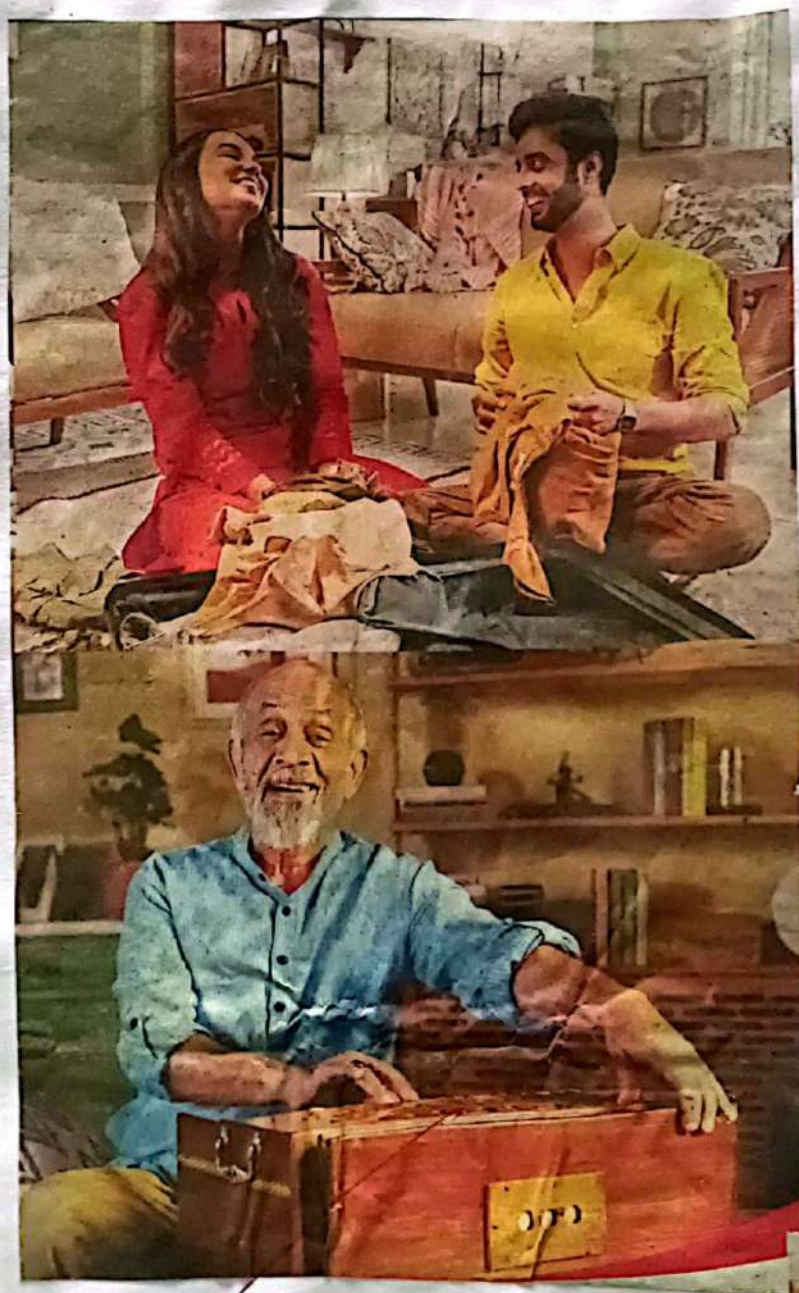

प्रशिक्षण / छात्राओं द्वारा कुटिर उद्योग के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए

परिवहन के साधन :=> खेजरोली के आस - पास के गाँवो को सड़क जाती है, तथा यहाँ पर मुख्य सड़क पक्की है। जयपुर से खेजरोली तक रोडवेज बस की सुविधा भी उपलब्ध हैं। बैंक सुविधा, कृषि उपकरणों की मरम्मत, डाकघर बाजार हेतु गाँव वासियो को बाहर नहीं जाना पड़ता है।

परिवहन के साधनों में प्रमुख ट्रैक्टर बस, मोटरसाईकिल, कार आदि हैं।

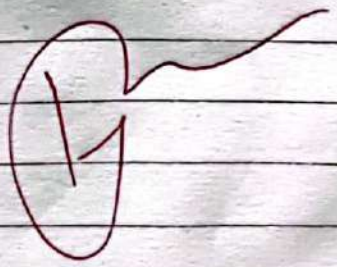

परिवहन के साधन

Date______
Page______

शिक्षा :⇒

गाँव में शिक्षा के लिए विद्यालय स्तर की शिक्षा सुविधा उपलब्ध है जिसमें एक सरकारी उच्च मा.वि. तथा एक बालिका उ.मा.वि. जबकि तीन गैर सरकारी (प्राइवेट) उ.मा वि. है। दो मा.वि. एवं एक संस्कृत उ.प्रा. वि. तथा दो प्रा.वि. संचालित हैं।

इस गाँव में उच्च शिक्षा के लिए दो महाविद्यालय भी संचालित हैं। जो दोनो ही गैर सरकारी हैं। अतः इस गाँव में शिक्षा सुविधा अन्य आस-पास के गाँवों की अपेक्षा अच्छी पाई जाती हैं।

परन्तु फिर भी औसत रूप से बालिका शिक्षा में कमी देखी जाती है। और इसका मूल कारण विवाह के बाद बालिकाओं के द्वारा पढ़ाई को छोड़ देना।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोई उच्च कोचिंग संस्थान नहीं हैं। अतः प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए युवाओं को सीमावर्ती महानगरों या नगरों की ओर जाना पड़ता है। जिसमें चौमू जयपुर तथा सीकर की ओर युवा वर्ग तैयारी के लिए जाते हैं।

येजरोली गाँव की औसत साक्षरता 70.48% है जिसमें पुरुष साक्षरता ⇒ 84.08%.
महिला साक्षरता ⇒ 56.08%.

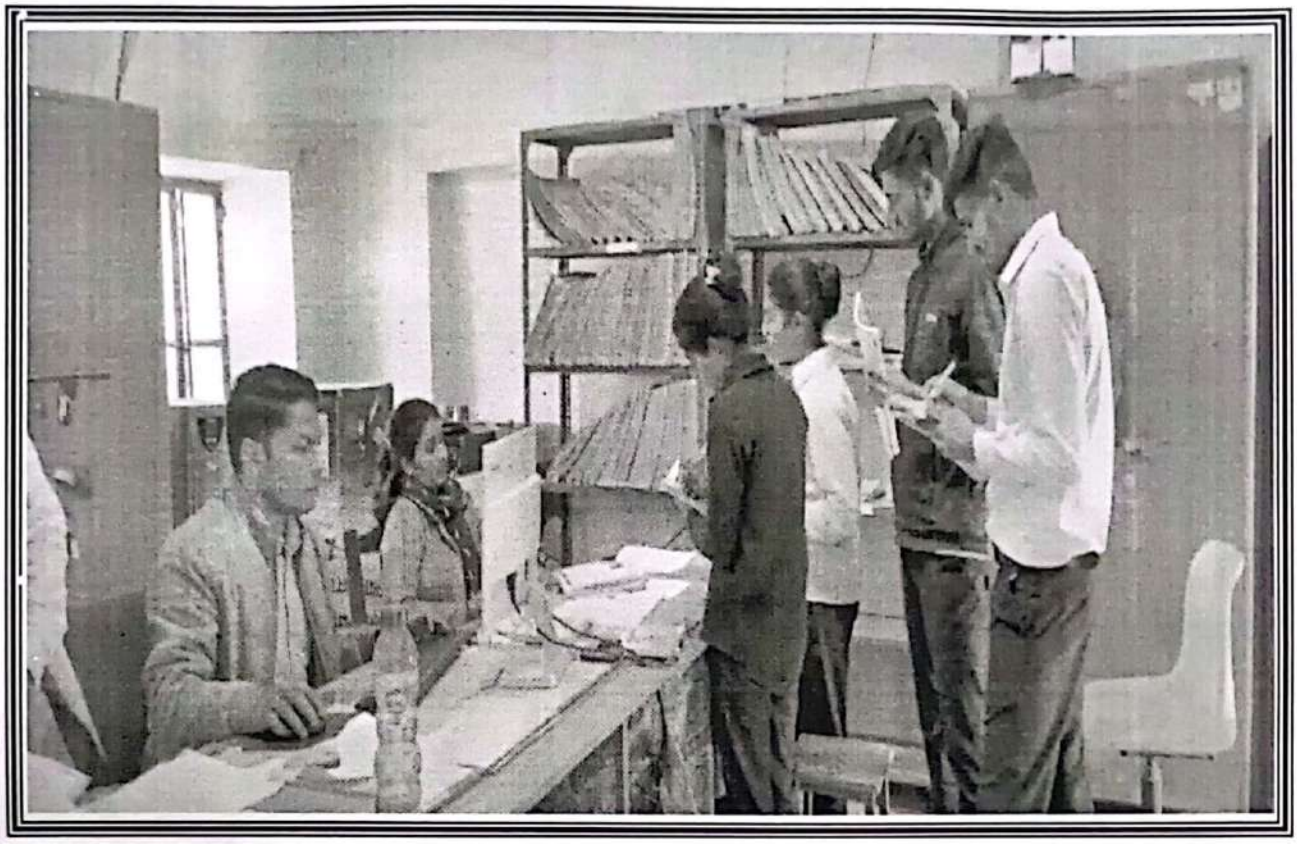

छात्र/छात्राओ द्वारा ग्रामीण स्कुल मे जानकारी प्राप्त करते हुए

Date
Page

चिकित्सा सुविधा :=>

गाँव चिकित्सा की दृष्टि से अन्य समीवर्ती गाँव जिनमें सिंगोद, निवाणा, तिगरीया कालू का बास, निंदोसा, बिलान्दरपुर, करीरी, उटंगडा, सीमारला, मुन्डरू, खुरमपुरा आदि छोटे-2 गाँव, इस गाँव खेजरली पर निर्भर रहते हैं। लेकिन फिर भी इस गाँव में कोई बड़ी चिकित्सा सुविधा नहीं है।

गंभीर बिमारी होने पर चौमू या जयपुर की ओर चिकित्सा सुविधा के लिए जाना पड़ता है। गाँव की जयपुर शहर से दूरी लगभग 60-70 km है।

अतः ऐसी स्थिति में कई बार रोगियों की मृत्यु भी हो जाती है।

इस गाँव में एक CHC सरकारी चिकित्सालय, एक औषधालय आयुर्वेद औषधालय है। इसके अतिरिक्त 2-3 निजी क्लिनिक है, जिसमें चिकित्सा सुविधा उच्च-स्तर की नहीं है।

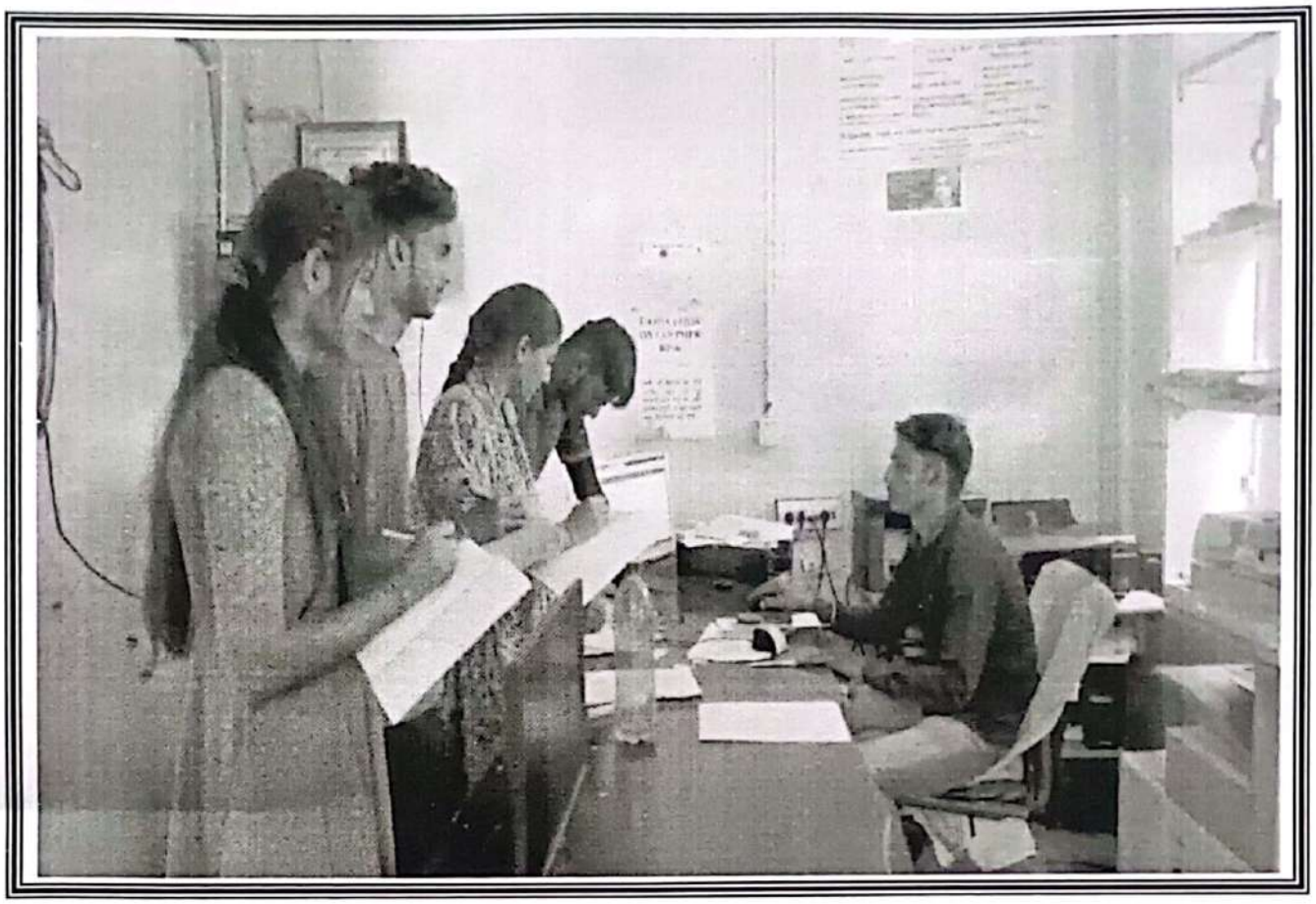

छात्र / छात्राओं द्वारा चिकित्सा के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए

||

Date ______
Page ______

जनसंख्या :=>

खेजरोली गाँव राजस्थान की राजधानी जयपुर जिले की चौमू तहसील गोविन्दगढ़ पंचायत समीति का एक गाँव है।

जिसमें 2433 परिवार निवास करते हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार => खेजरोली गाँव की जनसंख्या 16531 है। जिनमें 8562 पुरुष तथा 7969 महिलाएँ हैं।

खेजरोली गाँव मे 0-6 आयु वर्ग के बच्चों की जनसंख्या 2451 है। जो गाँव की कुल जनसंख्या का 14.83% है।

खेजरोली गाँव का औसत लिंगानुपात 931 है जो राज. राज्य के औसत 928 से अधिक है।

खेजरोली गाँव मे बाल लिंगानुपात का अनुपात 868 है। जो राज. के औसत बाल लिंगानुपात 888 से कम है।

Date
Page

खान - पान, भाषा, रीति रिवाज, धर्म :-

यहाँ पर सर्वाधिक जनसंख्या हिन्दु धर्म से सम्बान्धित है। जिनमे विभिन्न जातियों के लोग निवास करते हैं।
जबकि दुसरा धर्म मुस्लिम धर्म है।

हिन्दु धर्म के लोग कृषि कार्य में संलग्न है जो अपना निवास स्थान ढाणीयों में बनाते हैं तथा मुस्लिम लोग अपना निवास गाँव में बनाते है। तथा यह हार्डवेयर व लोहे से सम्बान्धित हैं।

यहाँ पर सभी जातियों के लोग निवास करते है जो अपने-2 धर्म व जाति से संबंधित रीति-रिवाज का वहन करते हैं।

हिन्दु धर्म के लोग मन्दिरों में पूजा करते है हिन्दु धर्म मे अनेक देवी-देवताओं को पूजा जाता है। तथा मुस्लिम धर्म में मस्जिदों मे नमाज अदा करते है।

वेशभूषा में यहाँ के लोग राजस्थानी वेशभूषा पहनते हैं। जिनमें महिला ओढनी, घाघरा, साड़ी व सलवार सूट आदि पहनती हैं तथा पुरुष पेन्ट, शर्ट धोती, कुर्ता तथा पगड़ी पहनते हैं। तथा महिलाए झुमर, कंगन, पाजेब

आदि पहनती हैं।

राजस्थानी भाषा बोली जाती हैं। तथा सबसे ज्यादा ढुंढाड़ी भाषा तथा कुछ मात्रा में हिन्दी भी बोली जाती हैं।

यहाँ पर सर्वाधिक खान-पान राजस्थानी दाल, बाटी-चूरमा व रोटी, सब्जी खाई जाती हैं।
तथा मौसमानुसार बाजरे की रोटी सरसों का साग बनाया जाता हैं।

RLD
38 राजस्थान पत्रिका
जयपुर, 06 अगस्त 2023

लालबाग फ्लॉवर शो में कर्नाटक के पूर्व सीएम हनुमंतय्या की

...गार्डन में

ग्रामीण महिलाओं द्वारा स्थानीय स्तर पर खेल प्रतियोगिता

[redacted] इलाके के [redacted] गांव में कबड्डी में जोर आजमाइश करतीं महिलाएं। कबड्डी के लिए 84,136 टीमें बनीं।

ग्रामीणों द्वारा कच्छीघोड़ी नृत्य का दृश्य

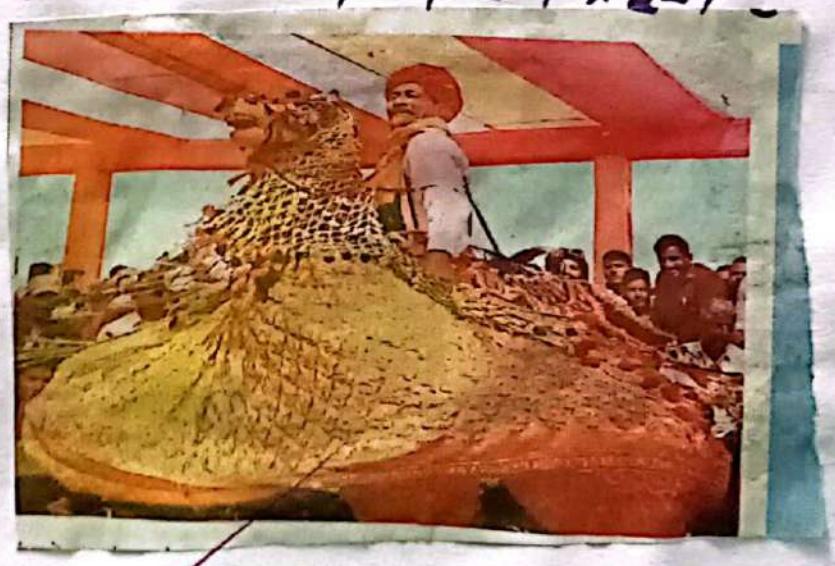

विद्यार्थीयो द्वारा ग्रामीण से जानकारी प्राप्त करते हुए।

Date
Page

ग्रामीण समस्याएँ :-

① ग्राम में बालिका शिक्षा के लिए कोई सरकारी उच्च शिक्षण नहीं है। जिस कारण बालिका उच्च शिक्षा के लिए दूर जाना पड़ता है व मंहगी ~~फीस~~ फीस भरनी पड़ती है।

② बड़ा गाँव होने के बावजूद भी चिकित्सा सुविधा उच्च स्तर की नहीं पाई जाती है। इसके लिए चौमू तथा जयपुर पर निर्भर हैं।

③ परिवहन व्यवस्था में सरकारी रोडवेज का आवागमन बहुत कम है। अतः आवागमन के लिए निजी परिवहन व्यवस्था पर निर्भर रहना पड़ता है जो अधिक मंहगा है।

④ जगह-2 पर सड़क टुटी हुई है। तथा गहरे-2 गढ्ढे हैं। जिनमें वर्षा ऋतु में पानी भरने के कारण कई बार दुर्घनाएँ हो चुकी हैं।

⑤ विद्युत व्यवस्था सही नहीं होने के कारण पढ़ाई करने वाले बालक-बालिकाएं कठिनाई का सामना करना पड़ता है। बार-2 बिजली कटौती के कारण विद्युत आपुर्ति लगातार नहीं हो पाती है।

⑥ पानी में फ्लोराइड की समस्या का होना एवं भू-जल स्तर नीचे होने से सिंचाई व पानी की गंभीर समस्या का होना।

Date
Page

सुझाव :⇒

① गाँव में सरकारी उच्च शिक्षण संस्थान होने चाहिए। तथा बालिका शिक्षा पर विशेष जोर देना चाहिए।

② गाँव में चिकित्सा सुविधा के लिए सरकारी बड़े चिकित्सालय जिसमें डॉक्टरों की अधिक नियुक्ति व महिला डॉक्टरों की भी नियुक्ति होनी चाहिए

③ अधिक से अधिक जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू कर गाँव का विकास किया जाना चाहिए।

④ पीने के पानी व सिंचाई के लिए सरकार के द्वारा नहरी योजनाओं का विकास किया जाना चाहिए।

⑤ गाँव में जल निकास की अच्छी सुविधा होनी चाहिए।

⑥ अधिक से अधिक सरकारी बसों का संचालन किया जाना चाहिए।

⑦ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए गाँव में सरकारी पुस्तकालय होना चाहिए।

⑧ गाँव में परिवहन के लिए अच्छी सड़क सुविधा होना चाहि